फुल स्टॉप - 42

अव्यक्त बापदादा :- (25.03.1986)

➳ _ ➳ जो ज़्यादा मँझते हैं - क्या हुआ, क्यों हुआ, कैसे हुआ, वह मौज में नहीं रह सकते। आप त्रिकालदर्शी बन गये तो फिर क्या, क्यों कैसे यह संकल्प उठ ही नहीं सकते। क्योंकि तीनों कालों को जानते हो। क्यों हुआ? जानते हैं पेपर है आगे बढ़ने लिए। क्यों हुआ? नथिंग न्यू। तो क्या हुआ का क्वेश्चन ही नहीं। कैसे हुआ? माया और मजबूत बनाने के लिए आई और चली गई। तो त्रिकालदर्शी स्थिति वाले इसमें मुँझते नहीं।

➳ _ ➳ क्वेश्चन के साथ-साथ रेसपाण्ड पहले आता। क्योंकि त्रिकालदर्शी हो। नाम त्रिकालदर्शी और वर्तमान को भी न जान सके - क्यों हुआ, कैसे हुआ तो उसको त्रिकालदर्शी कैसे कहेंगे! अनेक बार विजयी बने हैं और बनने वाले भी हैं। पास्ट और फ्युचर को भी जानते हैं कि हम ब्राह्मण सो फ़रिश्ता, फ़रिश्ता सो देवता बनने वाले हैं। आज और कल की बात है। क्वेश्चन समाप्त हो फुल स्टाप आ जाता है।

➢➢ त्रिकालदर्शी स्थिति में रहना है...

➳ _ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात

→ आदि, मध्य, अंत का ज्ञान

→ अप्रभावित

→ ड्रामा को जानने वाले

→ ड्रामा में निश्चय

→ क्या थे, क्या हैं और क्या होंगे को जानने वाले

→ ब्राह्मण, देवता, फ़रिश्ता स्व रूप को जानने वाले

→ बिंदु लगाने वाले

■ त्रिकालदर्शी स्थिति के बारे में संसार में बहुत सी गलत मान्यताये हैं...

➢➢ त्रिकालदर्शी स्थिति अर्थात क्या नहीं?

➳ _ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात PAST life regretion नहीं

→ पास्ट को जानने वाले

■ पास्ट जानने व् बताने वाले को संसार में सिद्ध पुरुष कहा जाता है...

➳ _ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात time travel करना नहीं

→ इस शरीर के साथ पास्ट टाइम में पहुच जाना..

■ जहाँ चाहो, वहां पहुँच जाना..

▶ सिद्ध पुरुष समय से आगे और पीछे भी जा सकते हैं...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात thought reading नहीं

→ विचार दुसरो के पढना, जानना नहीं...

■ उसके मन में क्या भाव चल रहे हैं... ये जानना त्रिकालदर्शी स्थिति की परिभाषा नहीं है...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात क्लियर vision नहीं

→ यहाँ बैठ कर दूर जगह क्या हो रहा है, ये जानना...

■ ये त्रिकालदर्शी स्थिति नहीं है...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात clear audience नहीं

→ दूर की बाते सुन लेना, देख लेना...

■ इसे त्रिकालदर्शी स्थिति नहीं कहेंगे...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात fortune teller नहीं

→ भविष्यवाणी करना नहीं...

■ भविश्य का जान कर शायद सामने वाला चिंतित हो जायेगा, ये त्रिकालदर्शी स्थिति नहीं...

▶ क्योकि इसमें कल्याण नहीं...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात sixth sense नहीं

→ छठी इन्द्रिय नहीं...

■ रूप, रस, गंध, स्पर्श, शब्द ये पांच sense हैं...

▶ बिना इन इन्द्रियों की सहायता के बातो को जान लेना sixth sense है...

▶ बिना पूर्व ज्ञान के जान लेना intution कहा जाता है...

➢➢ त्रिकालदर्शी स्थिति अर्थात क्या

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात time travel

→ किसी भी आत्मा के अब के संस्कार देख कर उसके पास्ट को जन लेना...

■ उसकी महानताओं को जान लेना...

▶ दुनिया में जैसे पीछे समय में जाने को कहते हैं, उसे त्रिकालदर्शी नहीं कहेंगे...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात fortune teller

→ तुमसे भविष्य में महान सेवा होने वाली हैं...

■ उसे जिम्मेवारी की स्मृति दिलाना, vision देना...

▶ दुसरो को प्रेरित करना, उमंग दिलाना...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात clear ऑडियंस

→ यहाँ बैठ कर संसार की हालत देख लेना

→ भक्तो की आवाज सुन लेना

→ उनकी दुःख भरी पुकार सुनना..

→ यहीं बैठ कर उनका आह्वान करना, आ जाओ...

- दिव्य दृष्टि से उनको बाप और बाप का स्थान दिखाना

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात thought reading

→ दुसरो के मन के भावों को जानना..

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात clear vision

→ दूर दृष्टि

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात sixth sense

→ स्वच्छ बुद्धि है तो पता चल जायेगा कि आज क्या होने वाला है...

- आत्मा का समय से कोई लेना देना नहीं है...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी अर्थात past life regretion

→ आत्मा के मूल संस्कार देखना...

- awareness of now अभी जो हो रहा है, उसको जान लेना
- त्रिकालदर्शी अर्थात नोलेजफुल स्थिति

➢➢ क्या, क्यों के प्रश्न समाप्त हो जाना त्रिकालदर्शी स्थिति है...

➳_ ➳ त्रिकालदर्शी त्रिलोकीनाथ और त्रिनेत्री बनने की युक्ति है...

→ स्वयम को समझना

→ समय को समझना

→ संयम को समझना

- इन तीनो को समझो तो त्रिकालदर्शी बन जायेंगे...

▶ संसार जिन अर्थों में त्रिकालदर्शी समझता है, उन अर्थों में नहीं...

➢➢ त्रिकालदर्शी वह स्थिति है...

➳_ ➳ जिसमे कोई दिखावा नहीं

➳_ ➳ कोई अहंकार नहीं...